सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर-1

हिंदी : पाठ्यक्रम 'ब'

प्रथम सत्र (संकलित परीक्षा–I)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1 × 5 = 5)**

रिश्वत लेना एक प्रदर्शनकारी कला है, यह मान लिया जाना चाहिए। मान इसलिए जाना चाहिए क्योंकि पूरे देश से इसके व्यक्तिगत प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त होती है। ठेठ गाँव से लेकर दर शहर तक हर जगह नियमित अंतराल पर इसके कलात्मक आयोजन के समाचार प्राप्त होते हैं। यह कला सीखने में काफी कठिन तथा श्रमसाध्य है। अच्छा कलाकार बरसों की मेहनत से निखरकर सामने आता है। इसे सीखने के लिए हिमालय की कंदराओं से लेकर दुर्गम जंगलों तक जाने की जरूरत नहीं होती है, इसकी गाइडेंस आसानी से बैठे-बिठाए ही मिल जाती है। यहाँ तक कि गुरु कहीं भी, कभी भी, अनायास ही टकरा सकता है। किसी ऑफिस में या ऑफिस के बाहर भी मिल सकता है। गुरु से ज्ञान लेने से पहले भयंकर पात्रता मलाईदार पद होने पर ही आती है। किसी भी आम और मुफलिस को यह कला नहीं सिखाई जाती। गरीब-गुरबा पर प्रयोग करके ही इस कला में प्रवीणता पाई जाती है। यह कलासंकाय के किसी विषय के समान कला नहीं होती कि कोई भी आसानी से पास कर ले। इसके लिए माँगने की हिम्मत तथा डकारने की ताकत होनी चाहिए। कलाकार को अक्सर सामने वाले के मंसूबे भाँपने पड़ते हैं। गड्डी की झलक देखते ही कुल रकम को तोड़ना पड़ता है। दाँव उल्टा पड़े तो मौके-बेमौके भागना पड़ता है। फिर रंगे हाथों पकड़े जाने से बचने के लिए नोट पर लगे रसायन की जानकारी तो अतिरिक्त सहायक है ही। वर्तमान में यह कला अपने स्वर्णयुग में है। हर दिन कहीं न कहीं से रिश्वत लेने के समाचार प्राप्त होते हैं। अतः समझा जा सकता है कि इस कला के वास्तव में बहुत ही अच्छे दिन चल रहे हैं। इस कला के बड़े गुरु ऊँचे मुकामों पर हैं।

1. रिश्वत लेना एक प्रदर्शनकारी कला है, क्योंकि _____।
(क) रिश्वत लेना एक कला है
(ख) रिश्वत कुशलता से लेनी पड़ती है
(ग) रिश्वत से व्यक्तिगत प्रदर्शन की जानकारी मिलती है
(घ) रिश्वत का प्रदर्शन करना पड़ता है

2. रिश्वत की कला सीखने के लिए हिमालय की कंदराओं में जाने की आवश्यकता क्यों नहीं होती ?
(क) यह आसान कला है। (ख) इसे सीखने के लिए श्रम नहीं करना पड़ता।
(ग) यह देशभर में फैली है। (घ) इसकी गाइडेंस कहीं से भी आसानी से मिल जाती है।

3. रिश्वत जैसी कला में व्यक्ति कब निपुण होता है ?
(क) जब गुरु उसे शिक्षा दे। (ख) जब गुरु अनायास ही उससे टकरा जाए।
(ग) जब वह इस कला का प्रयोग किसी गरीब पर करे। (घ) जब वह दुर्गम जंगलों में रहे।

4. रिश्वतखोर कैसे आकलन करता है कि रकम कितनी है ?
(क) रकम भारी होती है (ख) झलक पाते ही रकम का अनुमान लगाकर
(ग) रकम को देखकर (घ) रकम गिनकर

5. वर्तमानकाल को इस कला का स्वर्णयुग क्यों कहा है ?
(क) सोने के रूप में घूस दी जाती है। (ख) आजकल घूस का सर्वाधिक चलन है।
(ग) इसे विधिवत सीखा-सिखाया जाता है। (घ) घूस लेने-देने वाले ऊँचे पदों पर बैठे हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

अनाथ और निराश्रित बच्चों व किशोरों की देखभाल कारागृह जैसी राज्यशासी संस्थाओं में होती है। इन शुष्क और ऊष्मारहित संस्थाओं में बच्चों का बचपन बीत जाता है। जब वे बड़े हो जाते हैं या चौदह वर्ष की उम्र पार कर जाते हैं तो उन्हें इन संस्थाओं से मुक्त कर दिया जाता है और बिना किसी मार्गदर्शक के बड़ों की कठोर दुनिया में अकेला छोड़ दिया जाता है। दुख की बात तो यह है कि सरकार ही नहीं, बल्कि कई निजी और धार्मिक चैरिटी संस्थाओं का रुख भी कमोबेश ऐसा ही रहता है। इस तरह की संस्थाओं में बच्चे आमतौर पर बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं। उन्हें बड़ी-बड़ी डॉर्मिटरीज में कड़े अनुशासन में रखा जाता है। उन्हें शारीरिक प्रताड़ना दिए जाने की घटनाएँ तो खैर अब आम हो चली हैं। हम जिन स्ट्रीट चिल्ड्रन के साथ काम करते हैं, वे इस तरह की संस्थाओं को 'चिल्लर जेल' कहकर पुकारते हैं। लेकिन हाड़-मांस के सभी इंसानों की तरह इन बच्चों के मन में भी आजादी की चाह होती है और वे खुली हवा में सांसें लेना चाहते हैं। सड़कों पर बिताया गया जीवन इन बच्चों के लिए एक स्कूल की तरह होता है, जो उन्हें जीवन की कठोरताओं से संघर्ष करने का हुनर सिखाता है। वे अपनी शर्तों पर जीना सीखते हैं। वे आजीविका कमाने के लिए घर से बाहर निकलते हैं और लोगों से रूबरू होते हैं। गैर औपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के मार्फत ये बच्चे हद से हद साक्षर ही बन सकते हैं, वे सही मायनों में शिक्षित कभी न हो पाएंगे। उनके सामने अपने कॅरियर का चयन करने के भी अधिक विकल्प नहीं होते। जब इन बच्चों को अपने जीवन के अहम फैसले लेने होते हैं, तो उन्हें सबसे ज्यादा कमी खलती है बड़ों के जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण संरक्षण की। ये बच्चे कम उम्र में ही पैसे कमाने लग जाते हैं। इससे सबसे बड़ा खतरा यह है कि पैसे खर्च करने का विवेक पैदा होने से पहले ही उनके हाथ में पैसा आ जाता है। बच्चे जो फुटपाथ या रेलवे प्लेटफॉर्म पर रहते हैं और कचरा बीनकर जीवनयापन करते हैं, इन बच्चों के उत्थान पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। लेकिन साथ ही यह भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि उन्हें कारागृह जैसी सुधार संस्थाओं में नहीं भेज दिया जाए। सवाल परोपकार की भावना से भी अधिक प्रेम और संवेदना की भावना का है।

1. अनाथ और निराश्रित बच्चों का बचपन कहाँ बीतता है ?
(क) आश्रम में (ख) विद्यालयों में
(ग) जेल जैसी संस्थाओं में (घ) गृहों में

2. उपर्युक्त गद्यांश में 'चिल्लर जेल' से क्या अभिप्राय है ?
(क) वह स्थान जो जेल है। (ख) वह स्थान जहाँ बच्चे सुख से रहते हैं।
(ग) बच्चों के पालन-पोषण का अत्युत्तम स्थान। (घ) अनाथ और निराश्रितों की देखरेख का स्थान।

3. 'स्ट्रीट चिल्ड्रन' को जीवन में घटने वाली समस्याओं से लड़ने का हुनर कौन सिखाता है ?
(क) दुनिया के लोग (ख) माता-पिता
(ग) संस्थाएँ (घ) भाई-बहन

4. 'साक्षर' का क्या अर्थ है ?
(क) पढ़ा-लिखा होना। (ख) अक्षर ज्ञान की समझ।
(ग) ज्ञानवान एवं बुद्धिमान। (घ) शिक्षित एवं विवेक युक्त।

5. अनाथ बच्चों के प्रति हमारी भावना कैसी होनी चाहिए ?

(क) परोपकार की (ख) सहयोग की

(ग) तिरस्कार की (घ) प्रेम और संवेदना की

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

मेरी यादों में वे क्षण
हैं जीवंत अभी भी!
दस बरस का बालक मैं–
पूरनमासी की निशि-वेला में
नींद के आगोश में
बड़े भाई-बहनों की ईर्ष्या का पात्र बना
सोया हुआ था तुम्हारी गोद में।
तुममें ही सिमटा था
मेरा पूरा जहान
माँ, ओ माँ, तू महान!
जग कर आधी रात लगता मैं बिलखने
उनींदी आँखों से आँसू लगते झरने
और भीग जाते मेरे घुटने
भाँप लेती थी तब तू मेरे दर्द को, और
तेरी स्नेहिल पुचकार से
हो जाता दर्द सहज ही छूमंतर।
तेरे वत्सल स्नेह से
मिली अपार शक्ति मुझे–
कि बेखौफ निकल पड़ा
उसी एक आस-विश्वास के सहारे–
जिंदगी की डगर पर
जीतने जहान को।
है मुझको विश्वास-पूरा है विश्वास
कि हम फिर मिलेंगे कयामत के दिन
रहूँगा नहीं मैं, माँ,
तब भी अकेला-तुम्हारे बिन।

1. कवि बड़े भाई-बहनों की ईर्ष्या का पात्र क्यों था ?

(क) वह प्रसन्न रहता था। (ख) वह गहरी नींद में रहता था।

(ग) भाई-बहन उससे ईर्ष्या करते थे। (घ) उसे माँ की गोद का सुख था।

2. कवि सारे जहान में महान किसे मानता है ?

(क) स्वयं को (ख) भाई-बहन को

(ग) माता को (घ) शक्ति को

3. उनींदी आँखों से आँसू क्यों झरने लगे ?

(क) ईर्ष्या के कारण (ख) जागने के कारण

(ग) मन में छिपे दर्द के कारण (घ) माँ के कारण

4. "माँ के स्नेह से संतान को ऊर्जा प्राप्त होती है।" यह किस पंक्ति में कहा गया है ?

(क) तेरी स्नेहिल पुचकार से हो जाता दर्द सहज ही छूमंतर

(ख) तेरे वत्सल स्नेह से मिली अपार शक्ति मुझे–

(ग) उसी एक आस-विश्वास के सहारे–

(घ) है मुझको विश्वास-पूरा है विश्वास

5. इस कविता का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है _____।

(क) बालक (ख) ईर्ष्या का परिणाम

(ग) आँसुओं की शक्ति (घ) ममतामयी माँ

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

प्रभु! लोभ, स्वार्थ का क्या तात्पर्य है ?
प्रभु बोले–"इस पर मेरा यह उत्तर है,
लोभ सारी विपत्तियों की जड़ है,
स्वार्थ दुर्गुणों का जैसे कीचड़ है।"

सुख अनेक प्रकार के, भौतिक सुख बताता हूँ,
सबसे बड़ा सुख है निरोगी काया।
दूसरा माँ-बाप का प्यार पाया,
तीसरा सदाचारी मन व अंत में माया।

प्रभु! मेहनत करूँ या भक्ति ?
किसमें है सबसे अधिक शक्ति ?
"जिन्हें मैंने बनाया उनके लिए मेहनत कर,
यही है सबसे बड़ी भक्ति।"

प्रभु! भटक रहा था अज्ञान के अंधकार में,
उजाला तुमने दिल खोल दिया।
मैं तो कुछ भी न था जब,
तुमने छू कर मुझे अनमोल किया।

मेरे पास देने को कुछ नहीं है,
आपको क्या अर्पण कर सकता हूँ।
मैं तो एक तुच्छ प्राणी हूँ।
मात्र हाथ जोड़कर नमन कर सकता हूँ।

1. कवि के अनुसार स्वार्थ किसका कीचड़ है ?

(क) लोभ का (ख) सद्गुणों का

(ग) दुर्गुणों का (घ) सुविचारों का

2. 'सबसे बड़ा सुख निरोगी काया' क्यों कहा गया है ?

(क) भौतिक सुख वास्तविक सुख है।

(ख) सुखी वही है, जो स्वस्थ हो।

(ग) शारीरिक स्वस्थता के कारण सभी कार्य स्वत: ही हो जाते हैं।

(घ) शरीर सुखी रहना अनिवार्य है।

3. कवि के अनुसार सबसे बड़ी भक्ति किसमें है ?

(क) ईश्वर में (ख) शक्ति में

(ग) आसक्ति में (घ) अथक परिश्रम में

4. अज्ञान के अंधकार में भटकते कवि को प्रभु ने क्या बना दिया ?

(क) तुच्छ (ख) कीमती

(ग) अज्ञानी (घ) सुखी

5. कवि ने स्वयं को तुच्छ क्यों कहा है ?

(क) वह असाधारण है। (ख) वह ओछा है।

(ग) वह गरीब है। (घ) वह प्रभु का भक्त है।

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. (क) वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को क्या कहते हैं ? (1 × 4 = 4)

(ख) मैं रोई, माँ काम छोड़कर आई। इस वाक्य से संज्ञा पद छाँटिए।

(ग) "मेरी छोटी बहन बहुत बीमार है।" रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

(घ) माताजी को हरे-भरे कच्चे आम खरीदने हैं। रेखांकित पदबंध का नाम बताइए।

प्रश्न 6. (क) मेरे पास दो पुस्तकें हैं। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1 × 4 = 4)

(ख) बच्चा धीरे-धीरे चलता है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।

(ग) वह पढ़ रहा है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।

(घ) "जिन छात्रों ने परिश्रम किया वे प्रथम आए।" रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।

प्रश्न 7. (क) "नीचे गिरने के कारण मटका टूट गया।" संयुक्त वाक्य में बदलिए। (1)

(ख) वर्षा होने पर मोर नाचने लगते हैं। मिश्र वाक्य में बदलिए। (1)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए– (2)

परमात्मा, राजर्षि, लोकोक्ति

प्रश्न 8. (क) प्रति + एक की संधि कीजिए। (1)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह कर समास का नाम भी बताइए– (2)

नीलांबर, गुणहीन, सज्जन, गंगाजल।

(ग) 'महान है जो विद्यालय' का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए। (1)

प्रश्न 9. (क) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ– (1 + 1 = 2)

(*i*) ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा (*ii*) अंधा बाँटे रेवड़ी, फिर-फिर अपनों को दे

(*iii*) पहाड़ के समान (*iv*) दबे पाँव आना

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरे एवं लोकोक्ति से कीजिए– (1 + 1 = 2)

(*i*) छोटे भाई द्वारा शैतानी करने पर माताजी_____रह गई।

(*ii*) लॉटरी निकल जाने के कारण अब राम_____नहीं रखता।

खंड 'ग'

पाठ्यपुस्तकें

प्रश्न 10. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

1. हिरण कस्तूरी को वन में क्यों ढूँढ़ता है ?

(क) विश्वास से (ख) भ्रम से
(ग) अविश्वास से (घ) सुगंध से

2. दुनिया को क्या दिखाई नहीं देता ?

(क) ईश्वर मंदिर में है। (ख) ईश्वर घर में है।
(ग) ईश्वर कण-कण में व्याप्त है। (घ) ईश्वर भक्त में है।

3. "सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि" इस पंक्ति का क्या आशय है ?

(क) दीपक हो तो सब कुछ दिखाई देता है।
(ख) दीपक तले अँधेरा होता है।
(ग) दीपक जलने पर अंधकार नष्ट होता है।
(घ) वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति होने पर भ्रम दूर हो जाता है।

4. "जब मैं था तब हरि नहीं" इस पंक्ति से कवि का अभिप्राय है _____।

(क) प्रभु अहंकारी को नहीं मिलते (ख) हरि मुझसे रूठे हैं
(ग) 'मैं' में हरि नहीं हैं (घ) मैं चला गया था तो हरि कैसे मिलते

5. 'अँधियारा' का क्या अर्थ है ?

(क) उजाला और चमक (ख) भ्रम और अज्ञान
(ग) प्रकाश और किरण (घ) भ्रमणशील मृग

अथवा

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने जमाने में

1. सन् 1857 की तोप का प्रयोग किसलिए किया गया था ?

(क) लोगों को मारने के लिए (ख) लोगों को डराने के लिए
(ग) स्वतंत्रता आंदोलन को दबाने के लिए (घ) तोप का महत्त्व दर्शाने के लिए

2. 1857 की तोप कंपनी बाग में कहाँ पर रखी गई है ?

(क) छत पर। (ख) निकास द्वार पर

(ग) वृक्ष के नीचे (घ) प्रवेश द्वार पर

3. कंपनी बाग की तोप साल में दो बार किसलिए चमकाई जाती है ?

(क) वह खराब है (ख) उसकी चमक उतर गई है।

(ग) वह प्राचीन धरोहर है। (घ) उसकी देखरेख आवश्यक है।

4. सुबह-शाम कंपनी बाग में तोप को देखने कौन आते हैं ?

(क) कवि (ख) पर्यटक

(ग) बड़े-बड़े नेतागण (घ) पशु-पक्षी

5. इस काव्यांश में 'जबर' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) जबरदस्ती (ख) जोरदार

(ग) शक्तिशाली (घ) शक्तिहीन

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 + 2 = 6)

(क) 'बड़े भाई की डाँट-फटकार के कारण ही छोटा भाई कक्षा में अव्वल आया।' कैसे ? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) पुलिस कमिश्नर व कौंसिल के नोटिस में क्या अन्तर था ? उल्लेख कीजिए।

(ग) निकोबार के लोग ततौंरा को क्यों पसंद करते थे ?

प्रश्न 12. 26 जनवरी 1931 का दिन कलकत्तावासियों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण था ? विस्तृत रूप से लिखिए। (5)

अथवा

बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है ?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और चाहे आज तुम मेरी ही जमात में आ जाओ और परीक्षकों का यही हाल है, तो निस्संदेह अगले साल तुम मेरे समकक्ष हो जाओगे और शायद एक साल बाद मुझसे आगे भी निकल जाओ, लेकिन मुझमें और तुममें जो पाँच साल का अंतर है, उसे तुम क्या, खुदा भी नहीं मिटा सकता। मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनिया का और जिंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए. और डी.फिल् और डी.लिट् ही क्यों न हो जाओ। समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्माँ ने कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवीं-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज्यादा तजुरबा है और रहेगा।

(क) लेखक बड़े भाई से किस चीज में बराबरी नहीं कर सकता है ? (1)

(ख) समझ कैसे आती है ? इसका क्या प्रमाण है ? (2)

(ग) अम्माँ और दादा को हमेशा उन्हें समझाने का अधिकार किसलिए रहेगा ? (2)

अथवा

दोनों शब्दहीन थे। कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था। एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे। सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया था। अँधेरा बढ़ रहा था। अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। ततौंरा अब भी वहीं खड़ा था...निश्चल...शब्दहीन...। दोनों रोज उसी जगह पहुँचते और मूर्तिवत एक-दूसरे की निर्निमेष ताकते रहते। बस भीतर समर्पण था जो अनवरत गहरा रहा था। लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया और खबर हवा की तरह बह उठी।

(क) प्रथम मिलन के समय दोनों की क्या स्थिति थी ? वामीरो किस कारण सचेत हुई ? (1)

(ख) ततौंरा और वामीरो रोज उसी जगह क्या करते थे ? (2)

(ग) लपाती के युवकों ने क्या भाँप लिया था ? कैसे ? (2)

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए– (3 × 3 = 9)

(क) मीराबाई श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) कबीर ने किसे विरह रूपी विष बताया है ? इस विष से पीड़ित होने पर भक्त की क्या दशा हो जाती है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) पावस ऋतु में पर्वतों का सौंदर्य किस प्रकार दृष्टिगोचर हो रहा था ? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) ऐतिहासिक तोप कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर क्यों रखी गई थी तथा इस तोप का प्रयोग किसलिए किया गया। कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 + 3 = 6)

(क) ज्ञान की प्राप्ति होने पर हरिहर काका मृत्यु से भी नहीं डरे। क्यों ? क्या ज्ञान की प्राप्ति होने पर व्यक्ति की सोच में परिवर्तन आता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्राचीन एवं वर्तमान समय में महंत पुजारी और साधुओं की क्या मानसिकता रही है ? अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए।

(ग) हरिहर काका के साथ भाइयों ने कैसा व्यवहार किया ?

मूल्य आधारित प्रश्न

प्रश्न 16. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे ? उन्होंने उनके साथ कैसे व्यवहार किया ? आप इस व्यवहार को किस दृष्टि से देखते हैं। **(4)**

अथवा

यदि उस समय गाँवों तक मीडिया की पहुँच होती तो हरिहर काका की क्या दशा होती ? अनुमान लगाकर अपना उत्तर लिखिए।

खंड 'घ'

लेखन

प्रश्न 17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– **(5)**

(क) **मजदूर दिवस**
- क्यों मनाया जाता है ?
- मजदूर का महत्त्व
- मजदूर की दयनीय दशा एवं सुधार

(ख) **किसी मेले का आँखों देखा वर्णन**
- मेला स्थल
- मेले का वर्णन
- मेले में घटित कोई घटना

(ग) **विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण**
- आर्थिक संपन्नता
- बेहतरीन जीवन-शैली
- समाज में दिखावा

प्रश्न 18. नगर में बढ़ती भीड़ के कारण परिवहन की समस्या के समाधान के लिए सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आपके पुस्तकालय में पर्याप्त हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जातीं। इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।